सुखकर्ता दुखहर्ता आरती

सुखकर्ता दुखहर्ता, वार्ता विघ्नाची।
नुरवी पुरवी प्रेम, कृपा जयाची।
सर्वांगी सुंदर, उटी शेंदुराची।
कंठी झलके माल, मुक्ताफळांची॥

जय देव जय देव, जय मंगल मूर्ति।
दर्शनमात्रे मन, कामनांपूर्ति॥

रत्नखचित फरा, तूज गौरीकुमरा।
चंदनाची उटी, कुमकुमकेशरा।
हिरेजड़ित मुकुट, शोभतो बरा।
रुणझुणती नूपुरे, चरणी घागरिया॥

जय देव जय देव, जय मंगल मूर्ति।
दर्शनमात्रे मन, कामनांपूर्ति॥

लंबोदर पीतांबर, फणिवर बंधना।
सरल सोंड, वक्रतुंड त्रिनयना।
दास रामाचा, वाट पाहे सदना।
संकटी पावावें, निर्वाणी रक्षावे, सुरवरवंदना॥

जय देव जय देव, जय मंगल मूर्ति।
दर्शनमात्रे मन, कामनांपूर्ति॥

---

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘‍♂️, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज इंस्टाग्राम प्रोफाइल